राजस्थान की सर्वश्रेष्ठ Faculty द्वारा संचालित

Mother's RAS

An Institute where YOUR Goal is OUR Goal.

RAS Block (Tonk Road)

3rd Floor, Unique Destination, Above KS Ford, Laxmi Mandir Tiraha, Tonk Road Jaipur

0 73 4002 7657, 0 73 4002 7658

Info@motherseducationhub.org, mehpublication@gmail.com, www.motherseducationhub.org

About Mother's

"Together we can do, what not ??

A simple philosophy of team strength is the key of Mother's success. Mother's Education Hub is the fastest growing coaching institute for competitive examinations in the state of Rajasthan. The Meteoric rise of the Institute in a short period of five years is simply phenomenal. The institute started off with a handful of students and a couple of benches in a small room in December 2011. Today the institute has Nine branches and its main centre operates from four premises and has about more than 10,000 satisfied students preparing for a glorious career.

Mother's highly competent faculty led by founders Mr. Rajesh Nehra and Mr. Pawan Rao is the real force behind the stupendous success of the institute. Run on the highest ethical standards the institute is all set to excel itself in the months and years to come.

Vision : To establish the brand Mother's as a national level institute and to make it a force to reckon with in the field of education by means of serving the students with the highest ethical standards.

Mission : To bring out the extraordinary in an ordinary aspirant and to ensure the highest possible selection ratio by tanking the art of preparing for competitive examinations to the level of a science.

Free

1. Weekly Speed Test
2. Library facility
3. Problem Solving Section(PSS).
4. One on one session for Academic Students.

5. Printed Books [Hindi& English Medium]

6. Only Institute where Guidance and Counseling is provided by qualified Counselor that keeps morale of the students high and motivates them through towards their goal.

Mother's की कलम से.....!

प्रिय विद्यार्थियों

RAS परीक्षा का पाठ्यक्रम , 2013 में परिवर्तित किया गया। वैकल्पिक विषयों को हटाकर सामान्य अध्ययन के 3 प्रश्न पत्र व एक प्रश्न पत्र सामान्य हिन्दी व अंग्रेजी को जोड़ा गया। इन प्रश्न-पत्रों में राजस्थान का सामान्य ज्ञान , भारतीय अर्थशास्त्र, भूगोल, राजव्यवस्था, प्रशासन, प्रबंधन, विधि व व्यवहार जैसे विषयों को प्रमुखता दी गई है।

इन विषयों की तैयारी हेतु विशेषज्ञों की एक स्थाई टीम की आवश्यकता है , जो केवल Mother's उपलब्ध करवाता है।

2013 के बाद दिल्ली के तथाकथित संस्थानों द्वारा इन विषयों की तैयारी करवाने का प्रयास किया गया लेकिन आर्थिक लाभ कमाना प्राथमिक उद्देश्य होने के कारण ये संस्थान विफल हुए तथा इनके द्वारा अध्ययन करवाई गई विषय वस्तु से सम्बन्धित कोई प्रश्न परीक्षा में नहीं पूछे गये। नीतिशास्त्र पढ़ाने वाले संस्थानों के मालिक विद्यार्थियों के साथ नैतिक व्यवहार करने में असमर्थ रहे।

इन परिस्थितियों में Mother's संस्थान ने राजस्थान के विद्यार्थियों को राजस्थान में ही एक उच्च स्तरीय टीम देने के का प्रयास किया। टीम में पढ़े हुए कई विद्यार्थी प्रशासनिक सेवाओं में सफल हुए तथा टीम के कई सदस्य स्वयं प्रशासनिक पदों पर नियुक्त है। विश्वास है Mother's आपकी आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा।

परीक्षा प्रणाली व उससे निपटने की रणनीति :-

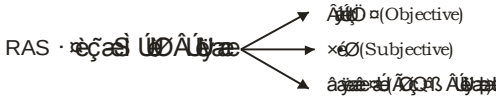


राज्य सेवाऐं

| क्र.सं. | सेवा का नाम | वेतनमान |
|---|---|---|
| 1. | राजस्थान प्रशासनिक सेवा | 15600 - 39100 (GP-5400) |
| 2. | राजस्थान पुलिस सेवा | 15600 - 39100 (GP-5400) |
| 3. | राजस्थान लेखा सेवा | 15600 - 39100 (GP-5400) |
| 4. | राजस्थान सहकारी सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 5. | राजस्थान नियोजन कार्यलय सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |

| | | |
|---|---|---|
| 6. | राजस्थान कारागार सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 7. | राजस्थान उद्योग सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 8. | राजस्थान राज्य बीमा सेवा | 15600 - 34800 (GP-4800) |
| 9. | राजस्थान वाणिज्यिक कर सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 10. | राजस्थान खाद्य एवं नागरिक रसद सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 11. | राजस्थान पर्यटन सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 12. | राजस्थान परिवहन सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 13. | राजस्थान महिला एवं बाल विकास सेवा | 15600 - 34800 (GP-4800) |
| 14. | राजस्थान देवस्थान सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 15. | राजस्थान ग्रामीण विकास राज्य सेवा | 15600 - 34800 (GP-4800) |
| 16. | राजस्थान महिला विकास सेवा | 15600 - 34800 (GP-4800) |
| 17. | राजस्थान श्रम कल्याण सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |

अधीनस्थ सेवाऐं

| क्र.सं. | सेवा का नाम | वेतनमान |
|---|---|---|
| 18. | राजस्थान अधीनस्थ देवस्थान सेवा | 9300 - 34800 (GP-3600) |
| 19. | राजस्थान अधीनस्थ सहकारी सेवा | 9300 - 34800 (GP-3600) |
| 20. | राजस्थान तहसीलदार सेवा | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 21. | राजस्थान आबकारी अधीनस्थ सेवा | 9300 - 34800 (GP-3600) |
| 22. | राजस्थान अधीनस्थ सेवा (नियोजन) | 9300 - 34800 (GP-3600) |
| 23. | राजस्थान उद्योग अधीनस्थ सेवा | 9300 - 34800 (GP-3600) |
| 24. | राजस्थान वाणिज्यिक कर अधीनस्थ सेवा | 9300 - 34800 (GP-3600) |
| 25. | राजस्थान खाद्य एवं नागरिक रसद अधीनस्थ सेवा | 9300 - 34800 (GP-3600) |
| 26. | राजस्थान महिला एवं बाल विकास अधीनस्थ सेवा | 9300 - 34800 (GP-4200) |
| 27. | राजस्थान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधिनस्थ सेवा (जिला परि. सह समाज कल्याण अधिकारी) | 9300 - 34800 (GP-4800) |
| 28. | राजस्थान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधिनस्थ सेवा (परिवीक्षा एवं कारागृह कल्याण अधिकारी) | 9300 - 34800 (GP-4200) |
| 29. | राजस्थान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधिनस्थ सेवा (सामाजिक सुरक्षा अधिकारी) | 9300 - 34800 (GP-4200) |
| 30. | राजस्थान श्रम अधीनस्थ सेवा | 9300 - 34800 (GP-3600) |

**राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित RAS प्रारंभिक परीक्षा**

**निर्धारित नवीन पाठ्यक्रम एवं कक्षा कार्यक्रम**

प्रारंभिक परीक्षा में 2013 से तथ्यात्मक (factual) एवं अवधारणात्मक (conceptual) दोनों प्रकार के प्रश्न पूछे जाते है जबकि अधिकतर संस्थानों में केवल वे तथ्य रटाए जाते है जो पिछली परीक्षाओं में पूछ लिये गये है या ऐसे कुछ तथ्य जिनका इस परीक्षा से कोई सरोकार नहीं है।

Mother's तथ्य व अवधारणाओं दोनों को साथ लेकर चलता है ताकि विद्यार्थियों में विषय की समझ विकसित हो सके। किसी भी परीक्षा को उत्तीण करने के लिए उसके Syllabus में शामिल विषयों की सम्पूर्ण समझ आवश्यक है ना कि कुछ प्रिंटेड नोटस व काम चलाऊ कक्षाएँ आयोजित करवाना।

**परीक्षा की स्कीमः-**

प्रारम्भिक परीक्षा में नीचे विनिर्दिष्ट विषय पर एक प्रश्न-पत्र होगा , जो वस्तुनिष्ठ प्रकार का होगा और अधिकतम 200 अंको का होगा।

परीक्षा का उद्देश्य केवल स्क्रीनिंग परीक्षण करना है। प्रश्न -पत्र का स्तरमान स्नातक डिग्री स्तर का होगा। ऐसे अभ्यर्थियों द्वारा, जो मुख्य परीक्षा में प्रवेश के लिए अर्हित घोषित किये गये हो, प्रारम्भिक परीक्षा में प्राप्त अंको को उनका अंतिम योग्यता क्रम अवधारित करने के लिए संगणित नहीं किया जायेगा।

| **प्रश्न-पत्र** | **विषय** | **अधिकतम अंक** | **समय** |
|---|---|---|---|
| I | सामान्य ज्ञान और सामान्य विज्ञान | 200 | 3 |

नोट :—

I. प्रश्न पत्र में बहुविकल्पीय प्रकार के 150 प्रश्न होंगे व सभी प्रश्न समान अंक के होंगे।

II. मूल्यांकन में ऋणात्मक अंकन किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 अंक काटे जायेंगे।

| क्र. सं. | **विषय** : राजस्थान के इतिहास, कला एवं संस्कृति, साहित्य, परम्परा एवं विरासत | **कक्षायें :** 40 घण्टे |
|---|---|---|
| **1.** | ■ राजस्थान के इतिहास की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं , प्रमुख राजवंश , उनकी प्रशानिक व राजस्व, व्यवस्था<br>■ सामाजिक-सांस्कृति मुद्दे<br>■ स्वतंत्रता आंदोलन, जनगजागरण व राजनीतिक एकीकरण<br>■ स्थापत्य कला की प्रमुख विशेषताऐं-किले एवं स्मारक<br>■ कलाएँ, चित्रकलाएँ और हस्तशिल्प 1<br>■ राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियाँ, क्षेत्रीय बोलियाँ<br>■ मेले, त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक नृत्य<br>■ राजस्थानी संस्कृति, परम्परा एवं विरासत,<br>■ राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, संत एवं लोक देवता<br>■ महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल<br>■ राजस्थान के प्रमुख व्यक्तिव | |
| **2.** | **विषय** : भारत का इतिहास | **कक्षायें :** 80 घण्टे |
| | **प्राचीनकाल एवं मध्यकाल :—** | |

| | | |
|---|---|---|
| | ■ प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ एवं महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं<br>■ कला एवं संस्कृति, साहित्य एवं स्थापत्य<br>■ प्रमुख राजवशं, उनकी प्रशासनिक, सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था<br>■ सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दे, प्रमुख आंदोलन<br>**आधुनिक काल :—**<br>■ आधुनिक भारत का इतिहास ( 18वीं शताब्दी के मध्य से वर्तमान तक)- प्रमुख घटनाएँ , व्यक्तित्व एवं मुद्दे<br>■ स्वतंत्रता संघर्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन-विभिन्न अवस्थाएं , इनमें देश के विभिन्न क्षेत्रों के योगदानकर्ता एवं उनका योगदान<br>■ 19वीं एवं 20वीं शताब्दी में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन<br>■ स्वातंत्र्योत्तर काल में राष्ट्रीय एकीकरण एवं पुनर्गठन | |
| **3.** | **विषय** : विश्व एवं भारत का भूगोल | **कक्षायें :** 75 घण्टे |
| | **विश्व का भूगोल :—**<br>■ प्रमुख भौतिक विशेषताएँ<br>■ पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय मुद्दे<br>■ वन्य जीव-जन्तु एवं जैव-विविधता<br>■ अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग<br>■ प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र<br>**भारत का भूगोल :—**<br>■ प्रमुख भौतिक विशेषताएं और मुख्य भू-भौतिक विभाजन<br>■ कृषि एवं कृषि आधारित गतिविधियाँ<br>■ खनिज-लोहा, मैंगनीज, कोयला, खनिज, तेल और गैस, आणविक खनिज<br>■ प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक विकास<br>■ परिवहन-मुख्य परिवहन मार्ग<br>■ प्राकृतिक संसाधन<br>■ पर्यावरणीय समस्याऐं तथा पारिस्थितिकीय मुद्दे | |
| **4.** | **विषय** : राजस्थान का भूगोल | **कक्षायें :** 35 घण्टे |
| | ■ प्रमुख भौतिक विशेषताएँ और प्रमुख भू-भौतिक विभाग<br>■ राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन<br>■ जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, वन, वन्य, जीव-जन्तु एवं जैव-विविधता<br>■ प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ<br>■ खान एवंखनिज सम्पदा<br>■ जनसंख्या<br>■ प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक विकास की सम्भावनाएँ | |
| **5.** | **विषय** : भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली | **कक्षायें :** 75 घण्टे |
| | **संवैधानिक विकास एवं भारतीय संविधान :—**<br>■ भारतीय शासन अधिनियिम- 1919 एवं 1935, संविधान, भारतीय संविधान की प्रकृति प्रस्तावना (उद्देशिका), मौलिक अधिकार, राज्य के निर्देशक सिद्धांत, मौलिक कर्तव्य, संघीय ढांचा, संवैधानिक संशोधन, | |

| | | |
|---|---|---|
| | आपातकालीन प्रावधान, जनहित याचिका और न्यायिक पुनरावलोकन<br>**भारतीय राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन :—**<br>■ भारत राज्य की प्रकृति, भारत में लोकतंत्र, राज्यों का पुनर्गठन, गठबंधन सरकारें, राजनीतिक दल, राष्ट्रीय एकीकरण<br>■ संघीय एवं राज्य कार्यपालिका, संघीय एवं राज्य विधान मण्डल, न्यायपालिका<br>■ राष्ट्रीय संसद, सर्वोच्च न्यायालय, निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, योजना आयोग।<br>■ राष्ट्रीय विकास परिषद्, मुख्य सर्तकता आयुक्त, मुख्य सूचना आयुक्त, लोकपाल एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग।<br>■ स्थानीय स्वायत्त शासन एवं पंचायती राज<br>**लोक नीति एवं अधिकार :—**<br>■ लोक कल्याणकारी राज्य के रूप में राष्ट्रीय लोकनीति<br>■ विभिन्न विधिक अधिकार एवं नागरिक अधिकार-पत्र। | |
| **6.** | **विषय** : भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली | **कक्षायें :** 15 घण्टे |
| | राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधान सभा, उच्च न्यायालय, राजस्थान लोक सेवा आयोग, जिला प्रशासन, राज्य मानवाधिकार आयोग , लोकायुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग , राज्य सूचना आयोग 1 लोक नीति , विधिक अधिकार एवं नागरिक अधिकार पत्र | |
| **7.** | **विषय** : अर्थशास्त्रीय अवधारणाएँ एवं भारतीय अर्थव्यवस्था | **कक्षायें :** 60 घण्टे |
| | **अर्थशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त :—**<br>■ बजट निर्माण, बैंकिंग, लोक-वित्त, राष्ट्रीय आय, संवृद्धि एवं विकास का आधारभूत ज्ञान<br>■ लेखांकन-अवधारणा, उपकरण एवं प्रशासन में उपयोग<br>■ स्टॉक एक्सचेंज एवं शेयर बाजार<br>■ राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियाँ<br>■ सब्सिडी, लोक वितरण प्रणाली<br>■ ई-कॉमर्स<br>■ मुद्रास्फीति-अवधारणा, प्रभाव एवं उपलब्धियाँ<br>**आर्थिक विकास एवं आयोजन:-**<br>■ पंचवर्षीय योजना-लक्ष्य, रणनीति एवं उपलब्धियाँ<br>■ अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र:-कृषि, उद्योग, सेवा एवं व्यपार, वर्तमान स्थिति, मुद्दे एवं पहल<br>■ प्रमुख आर्थिक समस्याएं एवं सरकार की पहल, आर्थिक सुधार एवं उदारीकरण<br>**मानव संसाधन एवं आर्थिक विकास :-**<br>■ मानव विकास सूचकांक<br>■ गरीबी एवं बेरोजगारी-अवधारणा, प्रकार, कारण, निदान एवं वर्तमान फ्लेगशिप योजनाएं<br>■ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता-कमजोर वर्गों के लिए प्रावधान | |
| **8.** | **विषय** : राजस्थान की अर्थव्यवस्था | **कक्षायें :** 20 घण्टे |
| | ■ अर्थव्यवस्था का वृहत् परिदृश्य<br>■ कृषि, उद्योग सेवा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दे<br>■ संवृद्धि, विकास एवं आयोजना<br>■ आधारभूत-संरचना एवं संसाधन | |

| | | |
|---|---|---|
| | ■ प्रमुख विकास परियोजनायें<br>■ कार्यक्रम एवं योजनाएं-अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों, नि:शक्तजनों, निराश्रितों, महिलाओं, बच्चों, वृद्धजनों, कृषकों एवं श्रमिकों के लिए राजकीय कल्याणकारी योजनाएं | |
| **9.** | **विषय** : विज्ञान के सामान्य आधारभूत तत्व | **कक्षायें :** 100 घण्टे |
| | ■ विज्ञान के सामान्य आधारभूत तत्व<br>■ इलेक्ट्रॉनिकक्स, कम्प्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी<br>■ उपग्रह एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी<br>■ रक्षा प्रौद्योगिकी<br>■ नैनो-प्रौद्योगिकी<br>■ मानव शरीर, आहार एवं पोषण, स्वास्थ्य देखभाल<br>■ पर्यावरणीय एवं पारिस्थिकीय परिवर्तन एवं इनके प्रभाव<br>■ जैव-विविधता, जैव-प्रौद्योगिकी एवं अनुवांशिकीय-अभियांत्रिकी<br>■ राजस्थान के विशेष संदर्भ में कृषि-विज्ञान, उद्यान-विज्ञान, वानिकी एवं पशुपालन,<br>■ राजस्थान में विज्ञान एवं प्रौद्यागिकी विकास | |
| **10.** | **विषय** : तार्किक विवेचन एवं मानसिक योग्यता | **कक्षायें :** 40 घण्टे |
| | **तार्किक दक्षता (निगमनात्मक, आगमनात्मक, अपवर्तनात्मक):-**<br>■ कथन एवं मान्यतायें, कथन एवं तर्क, कथन एवं निष्कर्ष, कथन-कार्यवाही<br>■ विश्लेषणात्मक तर्कक्षमता<br>**मानसिक योग्यता:-**<br>■ संख्या श्रेणी, अक्षर श्रेणी, बेमेल छांटना, कूटवाचन (कोडिंग-डीकोडिंग), सम्बन्धों, आकृतियों एवं उनके उपविभाजन से जुड़ी समस्याएँ | |
| **11.** | **विषय** : आधारभूत संख्यात्मक दक्षता | **कक्षायें :** 40 घण्टे |
| | ■ गणितीय एवं सांख्यकीय विश्लेषण का प्रारम्भिक ज्ञान<br>■ संख्या के जुड़ी समस्याएँ व परिमाण का क्रम, अनुपात तथा समानुपात, प्रतिशत, साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज, आंकड़ों का विश्लेषण (सारणी, दण्ड-आरेख, रेखाचित्र, पाई-चार्ट) | |
| **12.** | **विषय** : समसामयिक घटनाएं | **कक्षायें :** 20 घण्टे |
| | ■ राजस्थान, राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की प्रमुख समसामयिक घटनाएं एवं मुद्दे<br>■ वर्तमान में चर्चित व्यक्ति एवं स्थान<br>■ खेल एवं खेलकूद सम्बन्धी गतिविधियाँ | |

**राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित RAS मुख्य परीक्षा**

**निर्धारित नवीन पाठ्यक्रम एवं कक्षा कार्यक्रम**

**मुख्य परीक्षा :-** यह लिखित परीक्षा होती है जिसमें विषयों की सम्पूर्ण समझ के साथ आपकी उत्तर लेखन शैली प्रस्तुत करने की कुशलता देखी जाती है। वर्तमान में सभी संस्थान केवल पाठ्यक्रम को जैसे-तैसे करके पूरा करवाने में लगे रहते है। उत्तर लेखन अभ्यास पर ध्यान नहीं देते। ना ही इसके लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते है अत:

विद्यार्थी स्वयं को कक्षायें पूरी होने के बाद भी ठगा हुआ महसूस करता है। वह अन्तर विषयात्मक उत्तर लेखन (interdisciplinary approach) की स्थिति में फिर भी नहीं रहता है।

**इसके कई कारण है :-**

1. अधिकतर संस्थानों के तथाकथित निदेशक व विषय विशेषज्ञों को इस परीक्षा के बारे में ना तो पूर्ण जानकारी होती है ना ही उन्होंने इस परीक्षा में कभी भाग लिया है।
2. एक अच्छा उत्तर लिखने के लिए जो विषय-वस्तु चाहिए वह इन संस्थानों की फैकल्टी को भी पता नहीं होता।
3. समयाभाव-प्रमुख उद्देश्य येन-केन प्रकारेण 8-10 घण्टे की लम्बी कक्षायें आयोजित करके पाठ्यक्रम पूरा करना व आर्थिक लाभ कमाना होता है।
4. अधिकतर बाहर की फैकल्टी होती है जिनकी विद्यार्थियों तक पहुँच जयपुर से जाने के बाद शून्य होती है।

**Mother's संस्थान ने जब जयपुर व जोधपुर में रिसर्च आयोजित करवाए तो ये प्रमुख समस्याऐं उभरकर सामने आई।**

**Mother's जो सुविधायें देगा :**

- Answer writing पर विशेष बल, सफल अभ्यर्थियों से Answer writing करवाना तथा विद्यार्थियों में Answer writing skill develop करना
- Answer की demand के हिसाब से विषय-वस्तु को प्रस्तुत करना।
- विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान हेतु समय-समय पर Answer writing पर विशेष कक्षायें व नियमित टेस्ट।
- Faculties के साथ संवाद आयोजित करवाना ताकि विद्यार्थी अपनी समस्याएँ बता सके।

हमने यह भी देखा है कि कई संस्थानों में विद्यार्थियों के टेस्ट पेपर आयोजित करवाये गये तथा जो विषय वस्तु विद्यार्थियों ने अपने Answer में लिखे उन्हें पूरे marks दिये गये लेकिन जब **Mother's** की टीम ने इन Answer को चैक किया तो ये बिल्कुल स्तरहीन साबित हुए जिनमें 5% अंक प्राप्त नहीं हो सकते थे।

**मुख्य परीक्षा हेतु Mother's की अन्य रणनीति:-**

1. उच्च स्तरीय (गुणवत्तामूलक) सामग्री उपलब्ध करवाना तथा कक्षा-कार्यक्रम पर विशेष फोकस।
2. Subject के बारे में समझ विकसित करना ताकि विद्यार्थी Questions की प्रकृति को समझ सकें।
3. परीक्षापयोगी महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम (Syllabus) की विषय-वस्तु पर विशेष कक्षायें आयोजित करवाना।

**परीक्षा योजना:-**

**(क)** मुख्य परीक्षा में प्रविष्ट किये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या , विभिन्न सेवाओं और पदों की उस वर्ष में भरी जाने वाली रिक्तियों (प्रवर्गवार) की कुल अनुमानित संख्या का 15 गुना होगी, किन्तु उक्त रेंज में उन समस्त अभ्यर्थियों को, जिन्होंने अंकों का वही प्रतिशत प्राप्त किया है , जैसा आयोग द्वारा किसी निम्नतर रेंज के लिए नियत किया जाये, मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिया जायेगा।

**(ख)** लिखित परीक्षा में निम्नलिखित चार प्रश्न-पत्र होंगे जो वर्णनात्मक/विश्लेषणात्मक होंगे। अभ्यर्थी को नीचे सूचीबद्ध समस्त प्रश्न-पत्र देने होंगे , जिनमें संक्षिप्त, मध्यम, दीर्घ उत्तर वाले और वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्नों वाले प्रश्न पत्र भी होंगे। सामान्य हिन्दी और सामान्य अंग्रेजी का स्तरमान सीनियर सैकेण्डरी स्तर का होगा। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए अनुज्ञात समय 3 घण्टे होगा।

| **प्रश्न-पत्र** | **प्रश्न पत्र विषय** | **अधिकतम अंक** | **अवधि** |
|---|---|---|---|
| I | सामान्य अध्ययन-I | 200 | 3 घण्टे |
| II | सामान्य अध्ययन-II | 200 | 3 घण्टे |
| III | सामान्य अध्ययन-III | 200 | 3 घण्टे |
| IV | सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी | 200 | 3 घण्टे |

| **प्रश्न पत्र-I सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन** | | |
|---|---|---|
| | इकाई I- इतिहास | |
| | | |